३ मूल्य

अपनी मूल्य व्यवस्था समझते समय ..

66GFCE

उद्देश्य :

(१) मूल्य की संकल्पना, मूल्य का महत्त्व और उसका उद्भव अपने शब्दों में बताना ।

(२) व्यक्तिगत मूल्यों की पहचान करा लेना ।

(३) अपने मूल्य प्रत्यक्ष बर्ताव में दिख रहें हैं क्या ? इस संदर्भ में आत्म परीक्षण करना ।

(४) मूल्याधिष्ठित जीवन जीने के लिए बर्ताव में सही बदलाव का नियोजन करना ।

(५) मूल्य और नियम इसमें भेद करने आना ।

१. मूल्य अर्थात क्या ?

- युसूफ ने उसकी सभी **कीमती** चीजें बैग में सुरक्षित और व्यवस्थित रखीं ।
- डेल्सी को लग रहा है कि उसके पिता जी द्वारा खरीदी हुई कार अच्छी साबित होने के कारण उनके पैसों को अच्छा **मूल्य** प्राप्त हुआ है ।

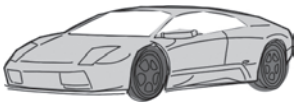

चित्र के पास दिए विधान पढ़ें, हर विधान में आए कीमत, मूल्य, मूल्यवान इन शब्दों का अर्थ समझ लें । क्या सभी वाक्यों में 'मूल्य अथवा मूल्यवान' इन शब्दों का अर्थ समान है ? क्या है वह अर्थ ?

- दूसरों का समय '**मूल्यवान**' होता है, इसका ख्याल रखें ।

- शालिनी की शिकायत है कि उसकी कला की किसी को कोई '**कीमत**' नहीं है ।

- ईमानदारी अक्षय के लिए एक महत्त्वपूर्ण '**मूल्य**' है ।

ध्यान देने योग्य बातें :

- **बर्ताव के नियम अथवा तत्त्व :**

१. हम जहाँ जन्म लेते हैं (उदा. देश, धर्म, जाति आदि) उसके अनुसार हमारे स्वभाव में तत्त्व पनपते हैं ।

२. हम अधिक-से-अधिक समय पालन करते हैं । (अलग-अलग परिस्थिति में/भूमिका में)

*३. जिस बारे में 'मुझे यह करना चाहिए' ऐसी भावना होती है, उसे '**मूल्य**' कहा जाता है ।*

२. मूल्य महत्त्वपूर्ण क्यों होते हैं?

आप परीक्षा की फीस भरने के लिए पैसे लाना भूल गए हैं । मित्र ने फीस के पैसे गुम कर दिए हैं । आपको वे पैसे अचानक मिल गए । यदि आप समय पर पैसे नहीं भरते हैं तो मुसीबत में आएँगे । इसलिए पाए हुए पैसों का इस्तेमाल करने का आपका मन करता है । लेकिन उन पैसों की आपके मित्र को भी जरूरत है।

रोज के जीवन में मूल्यों का क्या प्रभाव होता हैं? चुने हुए पर्यायों पर चर्चा करके निर्णय लेते समय मूल्यों का कैसे प्रभाव होता है? यह समझा देना ।

अब आपके सामने दो पर्याय हैं –

आप कैसा व्यवहार करोगे ? इनमें से एक पर्याय आप किसके आधार पर चुनोगे ?

पर्याय १
मित्र को उसके पैसे वापस कर देना और स्वयं की समस्या का सामना करना ।

पर्याय २
मित्र के पाए हुए पैसों का स्वयं की फीस के लिए इस्तेमाल करना ।

पर्याय २ चुनना सबसे आसान लगता है, लेकिन सोचने पर अगर हर समय आसान लगने वाला मार्ग ही हम चुने तो हमारा व्यवहार दूसरों को सुसंगत नहीं लगेगा । लोगों को आप विश्वसनीय और प्रामाणिक नहीं लगेंगे । उसी प्रकार कल्पना कीजिए कि हर कोई अपने स्वार्थ तथा झूठेपन से सोचता है तो समाज में काफी अविश्वास निर्माण होगा। एक-दूसरे का विश्वास खत्म होगा और जीना मुश्किल हो जाएगा । अपना बर्ताव सुसंगत होने के लिए समाज में एकता, शांति और मिल-जुलकर रहने से, अपना जीना आसान करने के लिए अपनी स्वयं की निश्चित मूल्य व्यवस्था होना अत्यंत आवश्यक है ।

जब हम कोई बर्ताव/कृति सही मानते हैं तब उसे निरंतर करने का प्रयास करते हैं । फिर हमारा दृष्टिकोण उस बर्ताव के अनुकूल बनता है । धीरे-धीरे हमें उसकी आदत हो जाती है । फिर हमारी प्रवृत्ति वैसी ही बनती है तथा उसी के अनुसार मूल्य तैयार होते हैं । दृष्टिकोण ⟶ आदत ⟶ वृत्ति ⟶ मूल्य

उदा. स्वयं को सादे कपड़े पहनना पसंद होता है, फिर दूसरों के पहने हुए सादे कपड़े भी पसंद आने लगते हैं । धीरे-धीरे हम सादगी पसंद करने लगते हैं । जीवन की हर बात में सादगी पसंद आने लगती है । अपनी आदतों में वह दिखने लगती है और अंत में वही अपना मूल्य बन जाती है ।

ध्यान में लेने योग्य बातें :

- ***मूल्य का महत्त्व***
- *मूल्य वर्तन का मार्गदर्शक होता है । मूल्य के कारण कौन-सी बातें महत्त्वपूर्ण तथा अधिक अर्थपूर्ण है यह समझने में मदद होती है । जिस व्यक्ति की मूल्य व्यवस्था की जड़ें मजबूत नहीं होती हैं वह व्यक्ति किसी परिस्थिति में अपना लाभ और समाधान ध्यान में रखकर भावनिक निर्णय लेता है ।*
- *व्यक्ति के विचार, बर्ताव, निर्णय; उसी प्रकार जीवन में कौन-सी बातें महत्त्वपूर्ण हैं, इन सभी बातों पर मूल्यों का गहरा प्रभाव होता है ।*

३. व्यक्तिगत मूल्य

मूल्य जीवन को आकार और आधार देते हैं । इसके लिए अपने मूल्य कौन-से हैं और वे क्यों महत्त्वपूर्ण लगते हैं, यह जान लेना आवश्यक है । प्रत्येक व्यक्ति के मूल्य अलग-अलग होते हैं ।

व्यक्तिगत मूल्यों के कारण दिखनेवाली कुछ आदतें

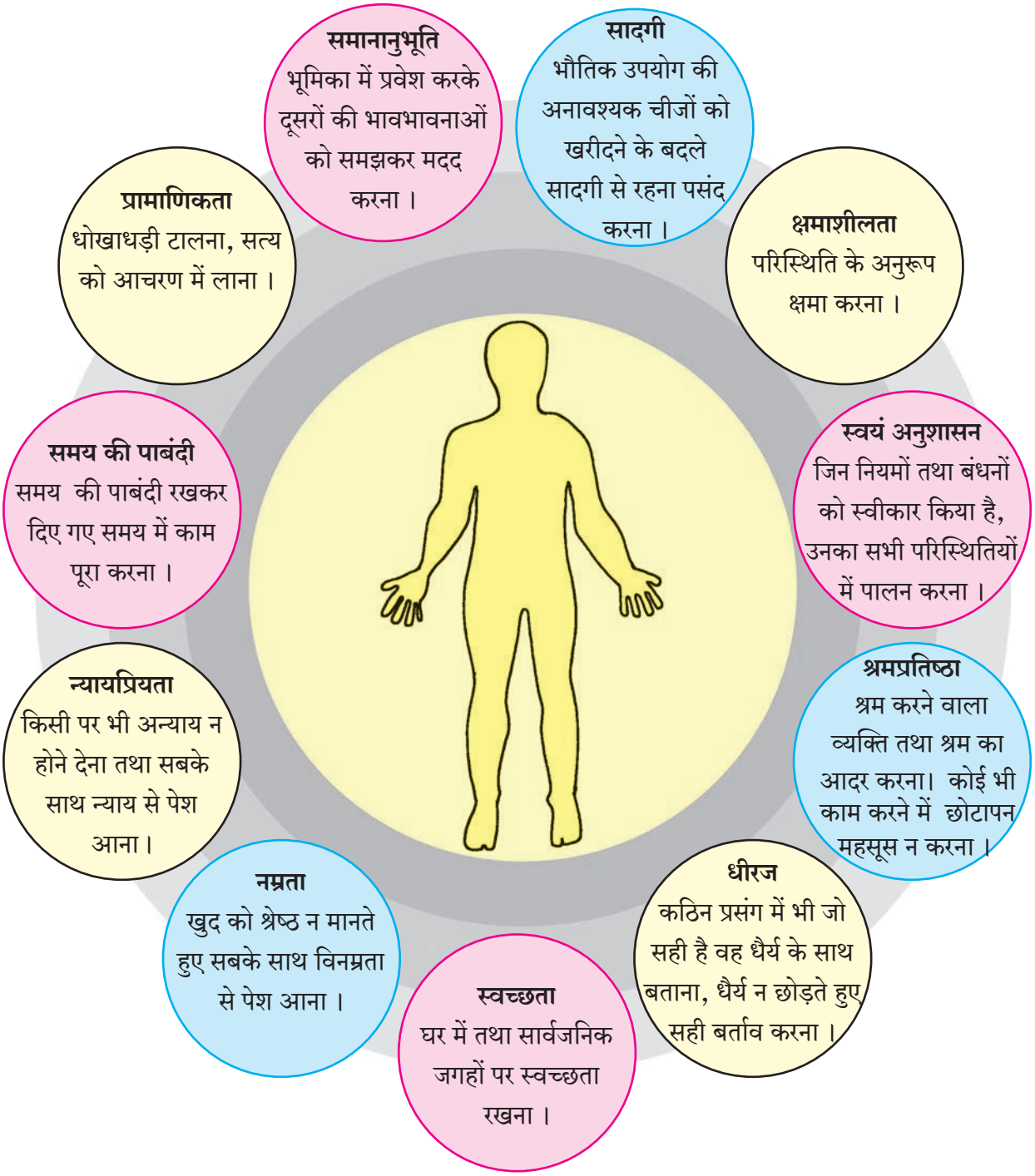

४. मूल्यों की खोज

निम्नलिखित उदाहरणों में कौन-कौन-से मूल्य दिखाई देते हैं, उसकी चर्चा करके निश्चित करें ।

- दूधवाला भैया मोहन रोज अनेक घरों में जाकर दूध देता है । उसके अन्य दूधवाले मित्र दूध में पानी मिलाकर ज्यादा लाभ कमाते हैं लेकिन मोहन का इस बात के लिए बिलकुल विरोध है ।

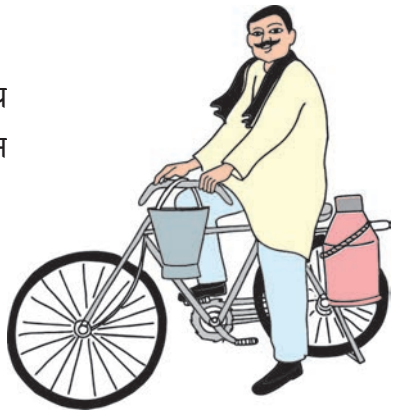

- जोसेफ की माँ गाँव गई है । उसके मित्र उसे सिनेमा दिखाने के लिए आग्रह कर रहे हैं । उसकी परीक्षा नजदीक होने के कारण उसने साफ मना कर दिया ।

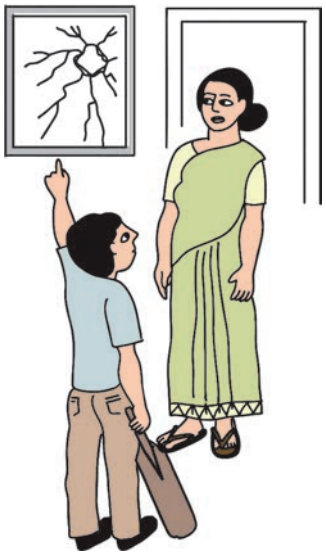

- नीलिमा पर सौंपी गई किसी भी काम की जिम्मेदारी वह बहुत अच्छी तरह, पूरी क्षमता से और समय पर पूरी करती है ।

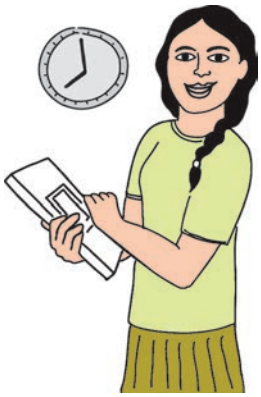

- क्रिकेट खेलते समय रतन और उसके मित्रों से किसी घर के खिड़की की काँच टूट गया । उसके अन्य मित्र घबराकर भाग गए । लेकिन रतन ने अपनी गलती स्वीकार कर पड़ोसी से क्षमा माँगी । पड़ोसी ने भी उसे क्षमा कर दिया ।

- भास्कर के मित्र ने परीक्षा के पहले पढ़ाई के लिए उसकी पुस्तक माँगी। मित्र से वह पुस्तक गुम हो गई । पढ़ाई के लिए पुस्तक न मिलने के कारण भास्कर को परीक्षा में कम अंक मिले । मित्र ने भास्कर से क्षमा माँगी । भास्कर ने उसपर गुस्सा न करते हुए उसके साथ मित्रता कायम रखी ।

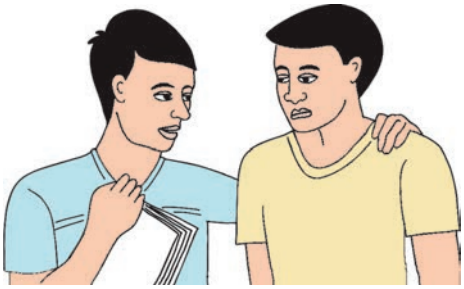

५. मूल्यों का उद्‌गम (मूल्यों की निर्मिति)

नीचे कुछ उदाहरण दिए हैं । उन्हें पढ़कर अलग-अलग व्यक्तिगत मूल्य कैसे निर्माण होते हैं, इसे समझ लें ।

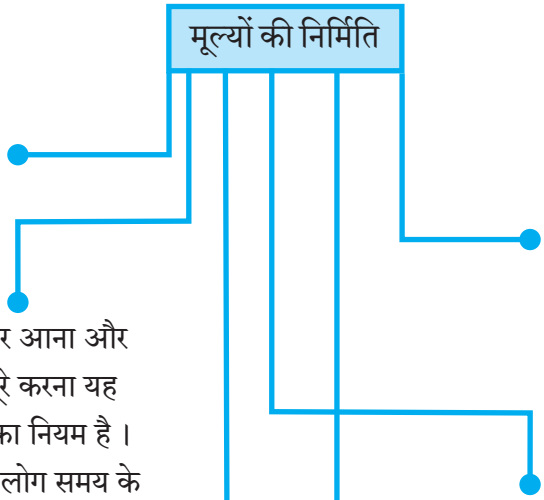

रीना के पिता जी ने उसे हमेशा सच बोलना सिखाया । उसका परिणाम यह है कि प्रामाणिकता रीना का मूल्य बन गया ।

जगविजय को विज्ञान में रुचि है। बाह्य वातावरण की सभी भौतिक घटनाओं के वैज्ञानिक कारणों को ढूँढ़ने का प्रयास करता है । पारंपरिक बातों पर आँखें बंद करके विश्वास नहीं करता है । वैज्ञानिक दृष्टिकोण यह उसका मूल्य है ।

विद्‌यालय में समय पर आना और समय पर सारे काम पूरे करना यह सीमा के विद्‌यालय का नियम है । सीमा के घर के सभी लोग समय के पाबंद नही हैं लेकिन विद्‌यालय के कारण समय का महत्त्व तथा अनुशासन का पालन करने का मूल्य सीमा में विकसित हुआ है ।

जमशेद स्वतंत्रता सैनिकों की साहसी कथाएँ पसंद करता है । उनकी साहसिकता और धैर्य का उसपर काफी प्रभाव है । जमशेद को लगता है कि उचित कारण के लिए धैर्य से लड़ना चाहिए ।

महेश अपने जन्मदिन पर महँगे कपड़े खरीदने के बदले सादे कपड़े खरीदता है और जरूरतमंद लड़कों को कुछ चीजें भेंट करता है ।

बालाजी का परिवार सामुदायिक जीवन शैली पर विश्वास करने वाला है । सामूहिक जीवन में एक-दूसरे को मदद करना वे महत्त्वपूर्ण मानते हैं । इसी कारण परस्पर सहकार्य यह बालाजी का मूल्य बना है ।

ध्यान में लेने योग्य बातें :

- *व्यक्तिगत मूल्य परिवार, विद्‌यालय, समाज, संस्कृति, धर्म, पुस्तकें और विज्ञान आदि किसी के भी प्रभाव से निर्माण होते हैं।*
- *कुछ मूल्य व्यक्ति अनुभव से और काफी सोच-समझकर स्वीकार करता है तो कुछ मूल्य विशिष्ट पारिवारिक व्यवस्था, जाति, धर्म, समुदाय, संस्कृति, सोच-विचार इनके प्रभाव से अथवा परंपरा से निर्माण होते हैं ।*
- *व्यक्ति को अपने जीवन मूल्यों के बारे में विशिष्ट समय के बाद पुन: सोचना चाहिए । इन मूल्यों का अपने व्यवहार में कितना उपयोग होता है इस बात को समझना चाहिए ।*

विद्‌यार्थियों को निम्नांकित कृति करने के लिए कहें ।

- किन्हीं तीन आदरणीय व्यक्तिओं का चुनाव करें । यह व्यक्ति आपके माता-पिता, अध्यापक, मित्र, पड़ोसी, प्रसिद्‌ध व्यक्ति इनमें से कोई भी हो सकता है ।
- उनके व्यवहार में कौन-से मूल्य दिखाई देते हैं, इस बारे में सोचें ।
- इन मूल्यों को उन्होंने क्यों स्वीकार किया है, इस बात को उनसे बातचीत कर अथवा अन्य पद्‌धति से ढूँढ़ें ।

६. आदतों का आत्मपरीक्षण

निम्नांकित विधान पढ़ें । ऐसे प्रसंगों में आप क्या करते हैं, उसे याद करें । निम्नांकित विधान पूर्ण करें । इस कृति से आपके कौन-से मूल्य दिखाई देते हैं, इस बारे में विचार करें ।

विद्यार्थियों को मूल्यों के बारे में आत्मपरीक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करें । उन्हें जो लगते हैं, उन उत्तरों की अपेक्षा सही उत्तर लिखने के लिए कहें ।

१. गृहकार्य पूरा नहीं किया है और कक्षा में अध्यापकों ने गृहकार्य न किए हुए विद्यार्थियों को अगर खड़ा किया तो .....
२. आपके किसी मित्र ने कोई गोपनीय बात बताई तो .....
३. अगर आपसे कोई गलती हो जाती है तो माता-पिता से .....
४. किसी व्यक्ति से मिलने के लिए अगर विशिष्ट समय दिया हो तो .....
५. दूसरा व्यक्ति अगर समय पर न आकर देरी से आए तो .....
६. आपके द्‌वारा हुई गलती के कारण अध्यापक किसी और को सजा दे रहे हैं तो .....
७. खाने की वस्तुएँ, शीतपेय, पैसे इनका बँटवारा करते समय .....
८. साइकिल, कपड़े, जैसी चीजें भाई-बहन के साथ, मित्रों के साथ मिल-बाँटकर इस्तेमाल करने वाले हो तो .....
९. किसी क्षेत्र में कुशल तथा प्रवीण होने पर अगर दूसरा कोई सूचना और सलाह देता है तो .....
१०. किसी और को कोई काम उचित ढंग से करना नहीं आ रहा है और वही काम आप अच्छी तरह से कर सकते हैं तो .....
११. शरीर से कमजोर लड़के को कोई तंदुरुस्त लड़का पीट रहा है । यह दृश्य आप देख रहे हैं तो .....
१२. रास्ते पर कोई दुर्घटना देखी और आप अकेले हैं तो .....
१३. निश्चित समय पर पढ़ाई, व्यायाम, वाचन, अभ्यास करना तय किया तो .....
१४. तले हुए पदार्थ और जंकफूड (अपोषक पदार्थ) न खाने का निश्चय किया तो .....
१५. पहले आपको कक्षा के विद्‌यार्थियों ने तंग किया है तो उनके बारे में .....
१६. आपके साथ कोई दुष्टता और तिरस्कृत भाव से बात करें तो .....
१७. अपने मित्रों पर प्रभाव डालने के लिए फैशनेबल कपड़े पहनना अथवा आधुनिक वस्तुओं का इस्तेमाल करना ऐसा .....
१८. कोई व्यक्ति कितना आधुनिक है और उसके पास कितनी फैशनेबल चीजें है इस आधार पर उसके साथ दोस्ती .....
१९. जान-बूझकर किसी अन्य व्यक्ति के दोष .....
२०. आपके इर्द-गिर्द किसी व्यक्ति को आपकी मदद की आवश्यकता है, यह आपके ध्यान में आता है तो .....

उपर्युक्त आत्मपरीक्षण से तुम्हारे कौन-से तीन मूल्य ध्यान में आ गए ।

क्या इन तीन मूल्यों का पालन नहीं कर पाए ऐसा कोई प्रसंग है ?

इन तीनों मूल्यों के हमेशा पालन हेतु आप स्वयं में क्या-क्या परिवर्तन करेंगे ? इसे अपनी कॉपी में लिखिए ।

७. घर–समाज की प्रतिकृति

अपना घर यह समाज की प्रतिकृति ही होती है । घर में भी समाज की तरह ही अलग–अलग सदस्य एकता से रहते हैं । घर हर एक का होता है और हर एक का घर के प्रति कर्तव्य समान ही होता है । आपके घर के कामों का विभाजन ध्यान में लीजिए । क्या वह सही है ? क्या उसमें कुछ परिवर्तन की आवश्यकता है ? कौन–से मूल्य के आधार पर इसका विभाजन करना चाहिए ?

८. मूल्य तथा सामाजिक व्यवहार के मानदंड

नीचे दिए हुए दो प्रसंगों को पढ़ें और क्या उससे सामाजिक मानदंड व मूल्य और उसमें होने वाला अंतर ध्यान में आता है? यह देखें ।

इन उदाहरणों को पढ़कर कक्षा में चर्चा करें । इन दो लड़कों में से स्वच्छता का मूल्य किसके ध्यान में आता है । इन दोनों में से कौन नियमों का पालन करता है ? सिर्फ नियमों का पालन करने के लिए विशिष्ट व्यवहार का उपयोग करना और वही व्यवहार जीवन मूल्य है ऐसा मानकर बर्ताव करना इसमें अंतर है ।

- पुष्कर के विद्यालय में कूड़ा–कचरा कूड़ादान में ही डालने का सख्त नियम है । विद्यालय के अहाते में पुष्कर कूड़ादान में ही कचरा डालता है ।

- कभी–कभी रास्ते पर चलते समय पुष्कर कचरा पदपथ पर ही डालता है ।

- हरभजन भी पुष्कर के ही विद्यालय में पढ़ता है । विद्यालय के आहाते में वह इधर–उधर कचरा नहीं डालता है । उसी प्रकार रास्ते पर या सार्वजनिक स्थानों पर भी हरभजन हमेशा ही कूड़ादान में कचरा डालता है ।

ध्यान देने योग्य बातें :

- *लोगों को कैसे बर्ताव करना चाहिए इसके लिए सामाजिक व्यवहार के मानदंड बने हैं । ये बर्ताव के नियम विशिष्ट मूल्यों पर आधारित होते हैं । बर्ताव के मानदंड कितना सही अनुशासन लाएँगे इसकी विशिष्ट सीमा होती है । यह नियम विशिष्ट जगह, क्षेत्र, समाज और देश में बंधनकारक होते हैं ।*
- *मूल्य व्यक्ति के व्यवहार को नियंत्रित करने वाला आंतरिक घटक है । इसी कारण व्यक्ति घर में, बाहर, समाज में, कहीं भी रहने से मूल्यों का पालन करने की उसकी आंतरिक प्रेरणा रहती है । मूल्य यह एक आंतरिक इच्छाशक्ति है । सिर्फ नियमों का पालन करने के लिए सही पद्धति से बर्ताव करने की अपेक्षा 'मूल्य' के रूप में ही उसे स्वीकार करना चाहिए ।*

मूल्यांकन

भारांश : १०%				
कसौटी	**उत्तम (बहुत खूब)**	**सही (संतोषजनक)**	**अनुचित (असंतोषजनक)**	**अंक**
वर्गकृति में सहभाग	सभी वर्ग कृति तथा खेल में, चर्चा में उत्साह के साथ सहभाग, सभी वर्ग कृतियाँ समय पर पूर्ण की है ।	सभी वर्ग कृतियाँ पूरी की ।	दूसरे लड़कों की कॉपी देखकर कृति पूरी की ।	-
स्वयं के मूल्यों को पहचानकर व्यवहार में सुधार करने की योजना बनाना ।	स्वयं के मूल्य बताए। बर्ताव में सुधार करने के वास्तविक मार्ग लिखें हैं ।	वर्तन में सुधार करने के संदिग्ध मार्ग लिखे हैं ।	अपूर्ण मार्ग सुझाए।	-
कक्षा के व्यवहार से दिखे हुए मूल्य	विद्यार्थियों के बर्ताव से उनके मूल्य दिखाई दिए है ।	कुछ अनुपात में मूल्यों का पालन दिखाई दिया ।	मूल्यों का पालन दिखाई नहीं दिया ।	-

धैर्यधर कहाँ हो तुम ? तुम्हारी सहायता की तुरंत जरूरत है ।
क्या हुआ लोबो? किसे मदद की जरूरत है ?
आज जब मैं विद्यालय से घर आ रही थी तब कुछ आवारा लड़कों को देखा । उन्होंने जानबुझकर रास्ते में कुछ कीलें बिखेर दी और बाद में वे पेड़ के पीछे जाकर छिप गए । जब किसी की गाड़ी का टायर पंक्चर हो जाता तब वे सब हँसते थे । उन्हें आप सही सबक सिखाओ ।
पक्का लोबो ! लेकिन मुझे बताओ.....इसके लिए तुम क्या कर सकते हो ?
मैं? क्या कर सकता हूँ ? वे कितने बलशाली और बड़े हैं । मैं तो अकेला हूँ।
मतलब तुम्हें एक व्यक्ति की सामर्थ्य की कुछ भी कल्पना नहीं है ?